ग्राफिक उपन्यास शर्लक होम्स के एडवेंचर्स

खाली घर का रोमांच

ग्राफिक डेनेट

सन् 1894 की वसंत ऋतु में, माननीय रोनाल्ड एडायर की अत्यंत असामान्य और अस्पष्ट परिस्थितियों में हुई हत्या ने पूरे लंदन को स्तब्ध कर दिया था, और संभ्रांत जगत को स्तब्ध कर दिया था। पुलिस जांच में अपराध के जो विवरण सामने आए, वे जनता को पहले ही पता चल चुके हैं, लेकिन उस समय बहुत कुछ दबा दिया गया था, क्योंकि अभियोजन पक्ष का मामला इतना मजबूत था कि सभी तथ्यों को सामने लाना आवश्यक नहीं था। अब, लगभग दस वर्षों के बाद, मुझे उस उल्लेखनीय घटनाक्रम के उन लापता कड़ियों को जोड़ने की अनुमति मिली है। अपराध अपने आप में दिलचस्प था, लेकिन मेरे लिए वह दिलचस्पी उस अकल्पनीय परिणाम के सामने कुछ भी नहीं थी, जिसने मेरे साहसिक जीवन में किसी भी घटना से मुझे सबसे बड़ा सदमा और आश्चर्य दिया। इतने लंबे अंतराल के बाद भी, जब मैं इसके बारे में सोचता हूँ तो रोमांचित हो जाता हूँ, और एक बार फिर उस अचानक खुशी, आश्चर्य और अविश्वास की लहर को महसूस करता हूँ जिसने मेरे मन को पूरी तरह से डुबो दिया था। मैं उन सभी लोगों से कहना चाहता हूँ, जिन्होंने एक असाधारण व्यक्ति के विचारों और कार्यों की उन झलकियों में रुचि दिखाई है जो मैंने उन्हें समय-समय पर दी हैं, कि यदि मैंने अपना ज्ञान उनके साथ साझा नहीं किया है तो वे मुझे दोष नहीं दे सकते, क्योंकि ऐसा करना मेरा पहला कर्तव्य होता, यदि उनके स्वयं के मुख से जारी स्पष्ट प्रतिबंध ने मुझे ऐसा करने से रोका न होता, जिसे पिछले महीने की तीन तारीख को ही वापस लिया गया था।

यह कल्पना की जा सकती है कि शर्लक होम्स के साथ मेरी घनिष्ठता ने मुझे अपराध में गहरी रुचि पैदा कर दी थी, और उनके निधन के बाद मैंने जनता के सामने आने वाले विभिन्न मामलों को ध्यानपूर्वक पढ़ना कभी नहीं छोड़ा। और मैंने अपनी निजी संतुष्टि के लिए, एक से अधिक बार, उनके तरीकों को सुलझाने का प्रयास भी किया, हालांकि सफलता कुछ खास नहीं मिली। फिर भी, रोनाल्ड एडायर की इस त्रासदी जैसी कोई और घटना मुझे इतनी आकर्षित नहीं कर पाई। जब मैंने जांच में पेश किए गए सबूतों को पढ़ा, जिसके आधार पर किसी अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों के खिलाफ जानबूझकर हत्या का फैसला सुनाया गया, तो मुझे पहले से कहीं अधिक स्पष्ट रूप से यह एहसास हुआ कि शर्लक होम्स की मृत्यु से समाज को कितना बड़ा नुकसान हुआ है। मुझे यकीन था कि इस अजीबोगरीब मामले में कुछ ऐसे पहलू थे जो उन्हें विशेष रूप से

आकर्षित करते, और पुलिस के प्रयासों को यूरोप के पहले आपराधिक जासूस के प्रशिक्षित अवलोकन और तेज दिमाग से पूरक बनाया जा सकता था, या शायद पहले से ही अनुमान लगाया जा सकता था। पूरे दिन, जब मैं अपने गश्ती दल में था, मैं इस मामले पर विचार करता रहा और मुझे कोई भी ऐसा स्पष्टीकरण नहीं मिला जो मुझे संतोषजनक लगे। एक बार फिर वही कहानी दोहराने का जोखिम उठाते हुए। मैं उन तथ्यों का सारांश प्रस्तुत करूंगा जो जांच के समापन पर जनता को ज्ञात थे।

माननीय रोनाल्ड एडायर, अर्ल ऑफ मेनोथ के दूसरे पुत्र थे, जो उस समय ऑस्ट्रेलिया की एक कॉलोनी के गवर्नर थे। एडायर की माता मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए ऑस्ट्रेलिया से लौटी थीं और वे, उनके पुत्र रोनाल्ड और पुत्री हिल्डा 427 पार्क लेन स्थित अपने घर में साथ रहते थे। एडायर उच्च सामाजिक परिवेश में पले-बढ़े थे और जहाँ तक ज्ञात था, उनके कोई शत्रु नहीं थे और न ही उनमें कोई विशेष दुर्गुण थे। उनकी सगाई कारस्टेयर्स की मिस एडिथ वुडली से हुई थी, लेकिन कुछ महीने पहले आपसी सहमति से सगाई टूट गई थी और ऐसा कोई संकेत नहीं था कि इस सगाई ने उनके मन पर कोई गहरा प्रभाव छोड़ा हो। अपने शांत स्वभाव और भावहीन प्रकृति के कारण, एडायर ने अपना शेष जीवन एक सीमित और पारंपरिक दायरे में बिताया। फिर भी, 30 मार्च, 1894 की रात दस से ग्यारह बजकर बीस मिनट के बीच, इस सहज स्वभाव वाले युवा कुलीन व्यक्ति की मृत्यु अत्यंत विचित्र और अप्रत्याशित रूप से हुई।

रोनाल्ड एडायर को ताश खेलना बहुत पसंद था - वे लगातार खेलते रहते थे, लेकिन कभी भी इतनी बड़ी रकम नहीं लगाते थे जिससे उन्हें नुकसान हो। वे बाल्डविन, कैवेंडिश और बैगेटेल कार्ड क्लबों के सदस्य थे। यह पता चला कि अपनी मृत्यु के दिन दोपहर के भोजन के बाद उन्होंने बैगेटेल क्लब में व्हिस्ट का एक राउंड खेला था। उन्होंने दोपहर में भी वहीं खेला था। उनके साथ खेलने वाले श्री मरे, सर जॉन हार्डी और कर्नल मोरन के साक्ष्यों से पता चलता है कि खेल व्हिस्ट था और कार्ड लगभग बराबर ही गिरे थे। एडायर को शायद पाँच पाउंड का नुकसान हुआ होगा, इससे ज़्यादा नहीं। उनकी संपत्ति काफी अच्छी थी और इस तरह के नुकसान का उन पर कोई असर नहीं पड़ सकता था। वे लगभग हर दिन किसी न किसी क्लब में खेलते थे, लेकिन वे एक सतर्क खिलाड़ी थे और आमतौर पर जीतते ही उठते थे। साक्ष्यों से यह भी पता चला कि कर्नल मोरन के साथ साझेदारी में उन्होंने कुछ सप्ताह पहले गॉडफ्रे मिलनर और लॉर्ड बालमोरल से एक

ही बार में चार सौ बीस पाउंड तक जीते थे। जांच में उनके हाल के इतिहास के बारे में बस इतना ही पता चला।

अपराध की शाम, वह ठीक दस बजे क्लब से लौटा। उसकी माँ और बहन एक रिश्तेदार के साथ शाम बिताने गई हुई थीं। नौकरानी ने गवाही दी कि उसने उसे दूसरी मंजिल के सामने वाले कमरे में प्रवेश करते सुना, जिसका इस्तेमाल वह आमतौर पर बैठक के लिए करता था। उसने वहाँ आग जलाई थी, और जब उसमें से धुआँ निकलने लगा तो उसने खिड़की खोल दी। ग्यारह बजकर बीस मिनट तक कमरे से कोई आवाज़ नहीं आई, यही वह समय था जब लेडी मेनोथ और उनकी बेटी लौटीं। शुभ रात्रि कहने की इच्छा से, उन्होंने अपने बेटे के कमरे में प्रवेश करने का प्रयास किया। दरवाजा अंदर से बंद था, और उनके चिल्लाने और खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। मदद बुलाई गई, और दरवाजा तोड़कर खोला गया। दुर्भाग्यपूर्ण युवक मेज के पास पड़ा मिला। उसके सिर पर रिवॉल्वर की गोली से भयानक घाव हो गए थे, लेकिन कमरे में किसी भी प्रकार का कोई हथियार नहीं मिला। मेज पर दस-दस पाउंड के दो नोट और सत्रह पाउंड दस चांदी और सोने के सिक्के पड़े थे, पैसे अलग-अलग मात्रा में छोटे-छोटे ढेरों में रखे हुए थे। कागज की एक शीट पर कुछ आंकड़े भी थे, जिनके सामने क्लब के कुछ मित्रों के नाम लिखे थे, जिससे यह अनुमान लगाया गया कि अपनी मृत्यु से पहले वह ताश के खेल में अपनी हार या जीत का हिसाब लगाने का प्रयास कर रहा था।

परिस्थितियों की बारीकी से जांच करने पर मामला और भी जटिल हो गया। पहली बात तो यह थी कि यह समझ में नहीं आ रहा था कि युवक ने दरवाजा अंदर से क्यों बंद किया होगा। यह संभव था कि हत्यारे ने ऐसा किया हो और बाद में खिड़की से भाग गया हो। हालांकि, खिड़की से कम से कम बीस फीट की ऊंचाई से दरवाजा बंद किया गया था और नीचे खिले हुए क्रोकस के फूल थे। न तो फूलों पर और न ही मिट्टी पर किसी तरह की छेड़छाड़ के कोई निशान थे, और न ही घर को सड़क से अलग करने वाली घास की पतली पट्टी पर कोई निशान थे। इसलिए, जाहिर तौर पर, दरवाजा युवक ने ही बंद किया था। लेकिन उसकी मौत कैसे हुई? कोई भी बिना निशान छोड़े खिड़की तक नहीं चढ़ सकता था। मान लीजिए कि किसी व्यक्ति ने खिड़की से गोली चलाई हो, तो रिवॉल्वर से इतना घातक घाव करने वाला व्यक्ति वाकई एक असाधारण निशानेबाज होगा। फिर, पार्क लेन एक व्यस्त सड़क है; घर से सौ गज की दूरी पर एक टैक्सी स्टैंड है। किसी

ने भी गोली चलने की आवाज नहीं सुनी थी। फिर भी, वहाँ मृत व्यक्ति पड़ा था, और रिवॉल्वर की गोली भी, जो नरम नोक वाली गोलियों की तरह फैलकर एक ऐसा घाव बना चुकी थी जिससे तुरंत मौत हो गई होगी। पार्क लेन रहस्य की परिस्थितियाँ कुछ इस प्रकार थीं, जो मकसद के पूरी तरह से अभाव के कारण और भी जटिल हो गईं, क्योंकि जैसा कि मैंने कहा है, युवा अडायर का कोई दुश्मन नहीं था, और कमरे में रखे पैसे या कीमती सामान को हटाने का कोई प्रयास नहीं किया गया था।

सारा दिन मैं इन तथ्यों पर विचार करता रहा, यह कोशिश करता रहा कि कोई ऐसा सिद्धांत मिल जाए जो इन सबको आपस में जोड़ सके, और वह सरल रास्ता खोज सकूँ जिसे मेरे बेचारे दोस्त ने हर जाँच का शुरुआती बिंदु बताया था। मैं मानता हूँ कि मुझे ज़्यादा सफलता नहीं मिली। शाम को मैं पार्क में टहल रहा था और लगभग छह बजे पार्क लेन के ऑक्सफ़ोर्ड स्ट्रीट वाले छोर पर पहुँच गया। फुटपाथ पर आवारागर्दी कर रहे कुछ लोग एक खास खिड़की की ओर देख रहे थे, उन्होंने मुझे उस घर का रास्ता दिखाया जिसे देखने मैं आया था। रंगीन चश्मे पहने एक लंबा, पतला आदमी, जिस पर मुझे सादे कपड़ों में जासूस होने का पूरा शक था, अपनी कोई थ्योरी बता रहा था, जबकि बाकी लोग उसकी बातें सुनने के लिए उसके चारों ओर जमा हो गए थे। मैं जितना हो सके उसके पास गया, लेकिन उसकी बातें मुझे बेतुकी लगीं, इसलिए मैं कुछ नाराज़गी के साथ वापस लौट आया। ऐसा करते समय मैं अपने पीछे खड़े एक बूढ़े, कुरूप आदमी से टकरा गया और उसके हाथ में रखी कई किताबें गिर गईं। मुझे याद है कि जब मैंने उन्हें उठाया, तो उनमें से एक का शीर्षक मेरी नज़र में आया, 'वृक्ष पूजा की उत्पत्ति', और मुझे लगा कि वह व्यक्ति कोई बेचारा पुस्तक प्रेमी होगा, जो पेशे या शौक के तौर पर दुर्लभ पुस्तकों का संग्रह करता होगा। मैंने गलती के लिए माफी मांगने की कोशिश की, लेकिन यह स्पष्ट था कि जिन पुस्तकों के साथ मैंने दुर्भाग्यवश इतना बुरा बर्ताव किया था, वे उनके मालिक की नज़रों में बहुत कीमती थीं। उसने घृणा से गुर्राते हुए अपनी एड़ी घुमाई और मैंने उसकी झुकी हुई पीठ और सफेद मूंछों को भीड़ में गायब होते देखा।

पार्क लेन के 427 नंबर वाले मकान का मेरा अवलोकन उस समस्या को सुलझाने में कुछ खास कारगर नहीं रहा जिसमें मेरी दिलचस्पी थी। मकान सड़क से एक नीची दीवार और रेलिंग से अलग था, जिसकी कुल ऊँचाई पाँच फीट से अधिक नहीं थी। इसलिए, किसी के लिए भी बगीचे

में जाना बिल्कुल आसान था, लेकिन खिड़की तक पहुँचना पूरी तरह असंभव था, क्योंकि वहाँ न तो कोई पानी का पाइप था और न ही कोई ऐसी चीज़ जिससे कोई भी फुर्तीला आदमी उस पर चढ़ सके। पहले से कहीं अधिक उलझन में पड़कर मैं केंसिंग्टन की ओर वापस लौट गया। मैं अपने अध्ययन कक्ष में पाँच मिनट भी नहीं बैठा था कि नौकरानी अंदर आई और बोली कि कोई मुझसे मिलना चाहता है। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह कोई और नहीं बल्कि मेरा अजीब बूढ़ा पुस्तक संग्राहक था, जिसका तीखा, झुर्रियों वाला चेहरा सफेद बालों के बीच से झाँक रहा था, और उसकी कीमती पुस्तकें, कम से कम एक दर्जन, उसकी दाहिनी बांह के नीचे दबी हुई थीं।

"आप मुझे देखकर आश्चर्यचकित हैं, महोदय," उसने एक अजीब, कर्कश आवाज में कहा।

मैंने स्वीकार किया कि मैं था।

"खैर, मेरा भी ज़मीर है, महोदय, और जब मैंने आपको इस घर में जाते हुए देखा, जब मैं आपके पीछे लंगड़ाते हुए आ रहा था, तो मैंने मन ही मन सोचा, मैं अंदर जाकर उस भले आदमी से मिल लूँ, और उनसे कह दूँ कि अगर मेरा व्यवहार थोड़ा रूखा था तो उसमें कोई बुराई करने का इरादा नहीं था, और मैं उनका बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने मेरी किताबें उठा लीं।"

मैंने कहा, "तुम इसे बेवजह ही बड़ा मुद्दा बना रहे हो। क्या मैं पूछ सकता हूँ कि तुम्हें कैसे पता चला कि मैं कौन हूँ?"

"जी महोदय, अगर आपको मेरी बात से कोई आपत्ति न हो, तो मैं आपका पड़ोसी हूँ। मेरी छोटी सी किताबों की दुकान चर्च स्ट्रीट के कोने पर है, और मुझे आपको देखकर बहुत खुशी होगी, मुझे पूरा यकीन है। शायद आप भी कुछ किताबें इकट्ठा कर लें, महोदय। ये लीजिए 'ब्रिटिश बर्ड्स', 'कैटुलस' और 'द होली वॉर' - हर एक किताब सस्ते दामों पर मिल रही है। पाँच किताबों से आप उस दूसरी शेल्फ पर खाली जगह भर सकते हैं। वह जगह थोड़ी बिखरी हुई लग रही है, है ना, महोदय?"

मैंने अपना सिर घुमाकर अपने पीछे की अलमारी की ओर देखा। जब मैंने दोबारा देखा, तो शर्लक होम्स मेरी अध्ययन मेज के उस पार मुस्कुराते हुए खड़े थे। मैं उठ खड़ा हुआ, कुछ पल तक पूरी तरह अचंभित होकर उन्हें देखता रहा, और फिर ऐसा लगा जैसे मैं अपने जीवन में पहली और आखिरी बार बेहोश हो गया हूँ। मेरी आँखों के सामने एक धुंध छा गई, और जब वह छटी तो मैंने पाया कि मेरे कॉलर के किनारे खुले हुए थे और मेरे होठों पर ब्रांडी का हल्का सा स्वाद था। होम्स

मेरी कुर्सी पर झुके हुए थे, उनके हाथ में उनकी बोतल थी।

“मेरे प्यारे वॉटसन,” उस जानी-पहचानी आवाज़ ने कहा, “मैं आपसे हज़ार बार माफ़ी माँगता हूँ। मुझे बिल्कुल भी अंदाज़ा नहीं था कि आप इतने भावुक हो जाएँगे।”

मैंने उसकी बांहें पकड़ लीं।

“होम्स!” मैं चिल्लाई। “क्या सच में तुम हो? क्या वाकई तुम ज़िंदा हो? क्या यह मुमकिन है कि तुम उस भयानक खाई से बाहर निकलने में कामयाब हो गए?”

“एक पल रुकिए,” उसने कहा। “क्या आप वाकई इस विषय पर चर्चा करने के योग्य हैं? मैंने अपने अनावश्यक नाटकीय पुनरागमन से आपको गंभीर झटका दिया है।”

“मैं ठीक हूँ, लेकिन होम्स, मुझे अपनी आँखों पर विश्वास ही नहीं हो रहा। हे भगवान! यह सोचकर कि आप—आप जैसे व्यक्ति—मेरे अध्ययन कक्ष में खड़े हैं।” मैंने फिर से उनकी आस्तीन पकड़ी और उसके नीचे उनकी पतली, मजबूत बांह को महसूस किया। “खैर, आप कोई आत्मा तो नहीं हैं,” मैंने कहा। “मेरे प्यारे, आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। बैठ जाइए और बताइए कि आप उस भयानक खाई से कैसे ज़िंदा बाहर आए।”

वह मेरे सामने बैठ गया और अपने पुराने, बेपरवाह अंदाज़ में सिगरेट जलाई। उसने किताबों के व्यापारी वाला पुराना सा फ्रॉककोट पहना हुआ था, लेकिन उसके बाकी शरीर का सार मेज पर बिखरे सफेद बालों और पुरानी किताबों के ढेर में समाया हुआ था। होम्स पहले से भी दुबला और चुस्त लग रहा था, लेकिन उसके तीखे चेहरे पर एक पीलापन सा था जिससे मुझे पता चला कि हाल ही में उसका जीवन स्वस्थ नहीं बीता था।

“वॉटसन, मुझे अपनी क्षमता को आज़माने में खुशी हो रही है,” उसने कहा। “जब एक लंबे आदमी को लगातार कई घंटों तक अपनी लंबाई कम करनी पड़ती है, तो यह कोई मज़ाक नहीं होता। अब, मेरे प्रिय मित्र, इन स्पष्टीकरणों के संबंध में, यदि मैं आपसे सहयोग की अपेक्षा करूँ, तो हमारे सामने एक कठिन और जोखिम भरी रात का काम है। शायद बेहतर होगा कि मैं आपको इस काम के समाप्त होने के बाद पूरी स्थिति का विवरण दूँ।”

मुझे बहुत जिज्ञासा है। मैं अभी सुनना पसंद करूंगा।

"क्या तुम आज रात मेरे साथ आओगे?"

जब आपको अच्छा लगे और जहां आपको अच्छा लगे।"

“यह सचमुच पुराने दिनों जैसा है। जाने से पहले हमारे पास भोजन करने के लिए थोड़ा समय होगा। खैर, उस खाई के बारे में। मुझे उससे बाहर निकलने में कोई खास दिक्कत नहीं हुई, क्योंकि मैं कभी उसमें था ही नहीं।”

"क्या आप कभी इसमें शामिल नहीं थे?"

नहीं, वॉटसन, मैं इसमें बिल्कुल भी शामिल नहीं था। मैंने आपको जो पत्र लिखा था, वह पूरी तरह से सच्चा था। मुझे इस बात का ज़रा भी संदेह नहीं था कि मेरा करियर खत्म होने वाला है, जब मैंने दिवंगत प्रोफेसर मोरियार्टी की कुछ भयावह आकृति को उस संकरे रास्ते पर खड़े देखा जो सुरक्षा की ओर जाता था। मैंने उनकी धूसर आँखों में एक अटल दृढ़ संकल्प देखा। इसलिए मैंने उनसे कुछ बातें कीं और विनम्रतापूर्वक वह छोटा सा पत्र लिखने की अनुमति प्राप्त की जो बाद में आपको मिला। मैंने उसे अपनी सिगरेट की डिब्बी और छड़ी के पास छोड़ दिया और रास्ते पर चलने लगा, मोरियार्टी अभी भी मेरे पीछे-पीछे थे। जब मैं रास्ते के अंत तक पहुँचा तो मैं वहीं रुक गया। उन्होंने कोई हथियार नहीं निकाला, लेकिन वे मुझ पर झपटे और अपनी लंबी बाहों से मुझे जकड़ लिया। वे जानते थे कि उनका खेल खत्म हो चुका है और वे केवल मुझसे बदला लेने के लिए बेचैन थे। हम दोनों गिरने की कगार पर लड़खड़ा रहे थे। हालाँकि, मुझे बारित्सु, या जापानी कुश्ती प्रणाली का कुछ ज्ञान है, जो मेरे लिए कई बार बहुत उपयोगी साबित हुई है। मैं उसकी पकड़ से छूट गया, और वह एक भयानक चीख के साथ कुछ सेकंड तक पागलों की तरह लात मारता रहा और दोनों हाथों से हवा में खरोंचता रहा। लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद वह अपना संतुलन नहीं बना पाया और गिर गया। किनारे पर चेहरा टिकाए हुए, मैंने उसे काफी दूर तक गिरते देखा। फिर वह एक चट्टान से टकराया, उछला और पानी में जा गिरा।

मैंने होम्स द्वारा सिगरेट के कश के बीच दिए गए इस स्पष्टीकरण को विस्मय से सुना।

“लेकिन पटरियों का क्या हुआ!” मैं चिल्लाई। मैंने अपनी आँखों से देखा कि दो पटरियाँ रास्ते पर गईं और कोई वापस नहीं लौटी।”

“बात कुछ इस तरह हुई। जैसे ही प्रोफ़ेसर गायब हुए, मुझे एहसास हुआ कि किस्मत ने मेरे लिए कितना बड़ा और अद्भुत संयोग पैदा किया है। मैं जानता था कि मोरियार्टी अकेला ऐसा आदमी नहीं था जिसने मेरी जान लेने की कसम खाई थी। कम से कम तीन और लोग थे जिनकी मेरे प्रति प्रतिशोध की भावना उनके नेता की मृत्यु से और भी बढ़ जाती। वे सभी बेहद खतरनाक आदमी

थे। उनमें से कोई न कोई मुझे ज़रूर मार देता। दूसरी ओर, अगर पूरी दुनिया को यकीन हो जाता कि मैं मर गया हूँ, तो ये लोग मनमानी करने लगते, वे जल्द ही खुद को सबके सामने पेश कर देते, और देर-सवेर मैं उन्हें खत्म कर देता। तब मेरे लिए यह ऐलान करने का समय होता कि मैं अभी भी ज़िंदा हूँ। दिमाग इतनी तेज़ी से काम करता है कि मुझे लगता है कि मैंने यह सब प्रोफ़ेसर मोरियार्टी के राइचेनबैक झरने की तलहटी तक पहुँचने से पहले ही सोच लिया था।"

मैं खड़ा हुआ और अपने पीछे की चट्टानी दीवार का मुआयना किया। आपके उस विषय के सुंदर वर्णन में, जिसे मैंने कुछ महीनों बाद बड़ी दिलचस्पी से पढ़ा, आपने दावा किया था कि दीवार एकदम सीधी थी। यह बात अक्षरशः सच नहीं थी। कुछ छोटे-छोटे पैर रखने की जगहें दिखाई दे रही थीं, और एक कगार का भी कुछ संकेत था। चट्टान इतनी ऊँची थी कि उस पर चढ़ना स्पष्ट रूप से असंभव था, और गीले रास्ते पर बिना निशान छोड़े आगे बढ़ना भी उतना ही असंभव था। यह सच है कि मैं अपने जूते उलट सकता था, जैसा कि मैंने पहले भी कई बार किया है, लेकिन एक ही दिशा में तीन निशानों को देखकर धोखा होने का संदेह ज़रूर होता। कुल मिलाकर, यही बेहतर था कि मैं चढ़ाई का जोखिम उठाऊं। यह कोई सुखद अनुभव नहीं था, वॉटसन। मेरे नीचे गहरी खाई की गर्जना सुनाई दे रही थी। मैं कल्पनाशील व्यक्ति नहीं हूँ, लेकिन मैं आपको वचन देता हूँ कि मुझे ऐसा लगा जैसे खाई से मोरियार्टी की चीख सुनाई दे रही हो। एक गलती जानलेवा साबित हो सकती थी। एक से अधिक बार, जब घास के गुच्छे मेरे हाथ में आ गए या मेरा पैर गीले गड्ढों में फिसल गया... चट्टान से गिरते ही मुझे लगा कि मैं मर चुका हूँ। लेकिन मैंने संघर्ष करते हुए ऊपर की ओर चढ़ाई की, और अंततः मैं कई फीट गहरी और मुलायम हरी काई से ढकी एक चट्टान पर पहुँच गया, जहाँ मैं पूरी तरह से आराम से, बिना किसी की नज़र में आए लेट सकता था। वहीं मैं लेटा हुआ था, जब आप, मेरे प्रिय वॉटसन, और आपके सभी साथी अत्यंत सहानुभूतिपूर्ण और अप्रभावी ढंग से मेरी मृत्यु की परिस्थितियों की जाँच कर रहे थे।

अंत में, जब आप सभी ने अपने अपरिहार्य और पूरी तरह से गलत निष्कर्ष निकाल लिए, तो आप होटल के लिए रवाना हो गए, और मैं अकेला रह गया। मैंने सोचा था कि मेरे रोमांच का अंत हो गया है, लेकिन एक बहुत ही अप्रत्याशित घटना ने मुझे दिखाया कि मेरे लिए अभी भी कई आश्चर्य बाकी हैं। ऊपर से गिरता हुआ एक विशाल पत्थर मेरे पास से गड़गड़ाता हुआ गुजरा, रास्ते से टकराया और खाई में जा गिरा। एक पल के लिए मुझे लगा कि यह एक दुर्घटना थी,

लेकिन एक क्षण बाद, ऊपर देखते हुए, मैंने अंधेरे होते आकाश के सामने एक आदमी का सिर देखा, और एक और पत्थर ठीक उसी चट्टान से टकराया जिस पर मैं लेटा हुआ था, मेरे सिर से एक फुट की दूरी पर। बेशक, इसका अर्थ स्पष्ट था। मोरियार्टी अकेला नहीं था। एक साथी - और उस एक नज़र ने ही मुझे बता दिया था कि वह साथी कितना खतरनाक आदमी था - प्रोफेसर के मुझ पर हमला करने के दौरान पहरा दे रहा था। दूर से, मेरी नज़र से ओझल, वह अपने दोस्त की मौत और मेरे भागने का गवाह था। उसने इंतजार किया, और फिर चट्टान की चोटी पर पहुँचकर, उसने उसने उस काम में सफलता प्राप्त करने का प्रयास किया था जहाँ उसका साथी असफल रहा था।

“वॉटसन, मैंने इस बारे में ज़्यादा देर नहीं सोचा। फिर से मैंने उस भयानक चेहरे को चट्टान के ऊपर से झांकते देखा, और मैं समझ गया कि यह किसी और पत्थर के गिरने का संकेत है। मैं तेज़ी से नीचे रास्ते पर उतर गया। मुझे नहीं लगता कि मैं यह ठंडे दिमाग से कर पाता। ऊपर चढ़ने से सौ गुना ज़्यादा मुश्किल था नीचे उतरना। लेकिन मुझे खतरे के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिला, क्योंकि जब मैं चट्टान के किनारे से हाथों के बल लटका हुआ था, तभी एक और पत्थर मेरे पास से सरसराता हुआ गुज़रा। आधे रास्ते में ही मैं फिसल गया, लेकिन ईश्वर की कृपा से मैं घायल और खून से लथपथ रास्ते पर आ गिरा। मैं भागा, अंधेरे में पहाड़ों पर दस मील का सफर तय किया, और एक हफ्ते बाद मैं फ्लोरेंस में था, इस यकीन के साथ कि दुनिया में किसी को नहीं पता कि मेरा क्या हुआ।”

“मेरा एकमात्र विश्वासपात्र मेरा भाई माइक्रॉफ्ट था। प्रिय वॉटसन, मैं आपसे बहुत क्षमा चाहता हूँ, लेकिन यह सर्वोपरि था कि यह माना जाए कि मैं मर चुका हूँ, और यह बिल्कुल निश्चित है कि यदि आपने स्वयं इसे सच न माना होता तो आप मेरी दुखद मृत्यु का इतना विश्वसनीय विवरण नहीं लिखते। पिछले तीन वर्षों में कई बार मैंने आपको पत्र लिखने के लिए कलम उठाई, लेकिन हमेशा मुझे डर रहा कि कहीं मेरे प्रति आपका स्नेह आपको किसी ऐसी नासमझी में न फंसा दे जिससे मेरा रहस्य उजागर हो जाए। इसी कारण आज शाम जब आपने मेरी किताबें उलट दीं तो मैं आपसे मुँह फेर लिया, क्योंकि उस समय मैं खतरे में था, और आपकी ओर से किसी भी प्रकार की हैरानी या भावना का प्रदर्शन मेरी पहचान उजागर कर सकता था और इसके अत्यंत दुखद और अपूरणीय परिणाम हो सकते थे। माइक्रॉफ्ट की बात करें तो, मुझे आवश्यक धन प्राप्त करने

के लिए उस पर भरोसा करना पड़ा। लंदन में घटनाएँ मेरी आशा के अनुरूप नहीं रहीं, क्योंकि मोरियार्टी गिरोह के मुकदमे में उसके दो सबसे खतरनाक सदस्य, मेरा सबसे प्रतिशोधी साथी, बच गए। दुश्मन, आज़ाद। इसलिए मैंने तिब्बत में दो साल बिताए और ल्हासा जाकर तथा मुख्य लामा के साथ कुछ दिन बिताकर अपना मनोरंजन किया। आपने सिगर्सन नामक एक नॉर्वेजियन के उल्लेखनीय अन्वेषणों के बारे में पढ़ा होगा, लेकिन मुझे यकीन है कि आपको कभी यह ख्याल नहीं आया होगा कि आपको अपने मित्र की खबर मिल रही है। फिर मैं फारस से गुजरा, मक्का का दौरा किया और खार्तूम में खलीफा से एक संक्षिप्त लेकिन रोचक मुलाकात की, जिसके परिणाम मैंने विदेश कार्यालय को बता दिए हैं। फ्रांस लौटकर, मैंने कुछ महीने कोल-टार डेरिवेटिव्स पर शोध में बिताए, जो मैंने दक्षिणी फ्रांस के मोंटपेलियर में एक प्रयोगशाला में किया। जब मैंने इस शोध को अपनी संतुष्टि के अनुसार पूरा कर लिया और यह जानकर कि लंदन में मेरा केवल एक ही दुश्मन बचा है, मैं वापस लौटने ही वाला था कि इस बेहद उल्लेखनीय पार्क लेन रहस्य की खबर ने मेरी गतिविधियों को तेज कर दिया, जिसने न केवल मुझे अपने गुणों के कारण आकर्षित किया, बल्कि ऐसा प्रतीत हुआ कि यह कुछ बेहद खास व्यक्तिगत अवसर भी प्रदान करता है। मैं तुरंत लंदन आया, बेकर स्ट्रीट में खुद गया और श्रीमती हडसन को हिंसक रूप से प्रताड़ित किया। मुझे बहुत घबराहट हुई, और मैंने पाया कि माइक्रॉफ्ट ने मेरे कमरे और मेरे कागजात बिल्कुल वैसे ही रखे थे जैसे वे हमेशा से थे। तो, मेरे प्यारे वॉटसन, आज दोपहर दो बजे मैंने खुद को अपने पुराने कमरे में अपनी पुरानी कुर्सी पर पाया, और बस यही कामना कर रही थी कि काश मैं अपने पुराने दोस्त वॉटसन को उस दूसरी कुर्सी पर देख पाती जिस पर वह अक्सर बैठते थे।

अप्रैल की उस शाम मैंने जो अद्भुत वृत्तांत सुना, वह मेरे लिए पूरी तरह अविश्वसनीय होता, अगर मैंने उस लंबे, दुबले-पतले शरीर और उत्सुक, उत्साहित चेहरे को अपनी आँखों से न देखा होता, जिसे मैंने दोबारा देखने की कभी कल्पना भी नहीं की थी। किसी न किसी तरह उसे मेरे शोक का पता चल गया था, और उसकी सहानुभूति उसके शब्दों से ज़्यादा उसके हाव-भाव में झलक रही थी। "काम दुख का सबसे अच्छा इलाज है, मेरे प्यारे वॉटसन," उसने कहा; "और आज रात हम दोनों के लिए एक काम है, जिसे अगर हम सफलतापूर्वक पूरा कर लें, तो इस धरती पर एक इंसान के जीवन का यही अर्थ होगा।" मैंने उससे और बताने की विनती की, लेकिन व्यर्थ। "सुबह

होने से पहले तुम काफ़ी कुछ सुन और देख लोगे," उसने उत्तर दिया। "हमें बीते तीन सालों की बात करनी है। साढ़े नौ बजे तक इतना काफ़ी है, जब हम खाली घर के उस रोमांचक सफ़र पर निकलेंगे।"

सचमुच पुराने दिनों की याद आ गई जब उस समय मैं खुद को उसके बगल में एक गाड़ी में बैठा पाया, मेरी जेब में रिवॉल्वर थी और मेरे दिल में रोमांच भरा उत्साह था। होम्स शांत, गंभीर और मौन था। जैसे ही स्ट्रीट लैंप की रोशनी उसके गंभीर चेहरे पर पड़ी, मैंने देखा कि उसकी भौंहें सोच में डूबी हुई थीं और उसके पतले होंठ कसे हुए थे। मुझे नहीं पता था कि हम लंदन के आपराधिक जंगल में किस खूंखार जानवर का शिकार करने वाले थे, लेकिन इस माहिर शिकारी के हावभाव से मुझे पूरा यकीन था कि यह एक बेहद गंभीर चुनौती थी - जबकि उसकी गंभीर उदासी में कभी-कभार झलकने वाली व्यंग्यात्मक मुस्कान हमारे लक्ष्य के लिए कुछ अच्छा संकेत नहीं दे रही थी।

मैंने सोचा था कि हम बेकर स्ट्रीट जा रहे हैं, लेकिन होम्स ने कैवेंडिश स्क्वायर के कोने पर टैक्सी रोक दी। मैंने देखा कि टैक्सी से उतरते ही उन्होंने दाएं-बाएं बड़ी सावधानी से देखा, और हर अगले गली के कोने पर उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश की कि कोई उनका पीछा न कर रहा हो। हमारा रास्ता वाकई अनोखा था। लंदन की गलियों का होम्स को असाधारण ज्ञान था, और इस बार वे अस्तबलों और घोड़ों के बाड़ों के जाल से तेज़ी से और आत्मविश्वास से भरे कदमों से गुज़रे, जिनके अस्तित्व के बारे में मुझे कभी पता ही नहीं था। अंत में हम एक छोटी सी सड़क पर पहुँचे, जिसके किनारे पुराने, उदास मकान बने हुए थे, जो हमें मैनचेस्टर स्ट्रीट और फिर ब्लैंडफोर्ड स्ट्रीट तक ले गई। यहाँ वे तेज़ी से एक संकरे रास्ते में मुड़े, एक लकड़ी के गेट से होकर एक सुनसान आँगन में गए, और फिर एक घर का पिछला दरवाज़ा चाबी से खोला। हम दोनों अंदर गए, और उन्होंने हमारे पीछे दरवाज़ा बंद कर दिया।

वह जगह घोर अंधेरी थी, लेकिन मुझे स्पष्ट रूप से पता चल गया था कि वह एक खाली घर था। नंगे तख्तों पर हमारे पैर चरमराते और चटकते हुए चले, और मेरा फैला हुआ हाथ उस दीवार से छू गया जिस पर कागज़ पट्टियों में लटका हुआ था। होम्स की ठंडी, पतली उंगलियों ने मेरी कलाई को जकड़ लिया और मुझे एक लंबे गलियारे में आगे ले गए, जब तक कि मुझे दरवाजे के ऊपर धुंधली सी रोशनदान दिखाई नहीं दी। यहाँ होम्स अचानक दाईं ओर मुड़े, और हम खुद को एक

बड़े, चौकोर, खाली कमरे में पाए, जिसके कोने घने अंधेरे में डूबे हुए थे, लेकिन बीच में सड़क की रोशनी से हल्की रोशनी थी। पास में कोई दीपक नहीं था, और खिड़की धूल से भरी हुई थी, इसलिए हम एक-दूसरे की आकृति को मुश्किल से ही देख पा रहे थे। मेरे साथी ने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा और अपने होंठ मेरे कान के पास ले आए।

“क्या तुम्हें पता है हम कहाँ हैं?” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

"ज़रूर यह बेकर स्ट्रीट ही होगी," मैंने धुंधली खिड़की से बाहर देखते हुए जवाब दिया।

“बिल्कुल सही। हम कैमडेन हाउस में हैं, जो हमारे पुराने क्वार्टर के ठीक सामने स्थित है।”

लेकिन हम यहां क्यों हैं?

क्योंकि यहाँ से उस खूबसूरत इमारत का शानदार नज़ारा दिखता है। क्या मैं आपसे, मेरे प्यारे वॉटसन, थोड़ी देर के लिए खिड़की के पास आने का अनुरोध कर सकता हूँ? पूरी सावधानी बरतते हुए कि आप खुद को न दिखाएँ, और फिर हमारे पुराने कमरों को देखें - जो आपकी कई छोटी-छोटी परियों की कहानियों का आरंभिक बिंदु हैं। हम देखेंगे कि क्या मेरे तीन साल के अभाव ने आपको आश्चर्यचकित करने की मेरी क्षमता को पूरी तरह से छीन लिया है।

मैं दबे पांव आगे बढ़ा और उस जानी-पहचानी खिड़की की ओर देखा। जैसे ही मेरी नज़र उस पर पड़ी, मैं चौंक उठा और हैरानी से चीख उठा। पर्दा नीचे था और कमरे में तेज़ रोशनी जल रही थी। अंदर कुर्सी पर बैठे एक आदमी की परछाई खिड़की के चमकदार पर्दे पर एक गहरी, काली आकृति के रूप में उभर रही थी। सिर का संतुलन, कंधों की चौड़ाई और चेहरे की तीक्ष्णता स्पष्ट थी। चेहरा आधा मुड़ा हुआ था, और ऐसा लग रहा था जैसे हमारे दादा-दादी द्वारा फ्रेम किए जाने वाले उन काले साये में से एक हो। यह होम्स की हूबहू प्रतिकृति थी। मैं इतना हैरान था कि मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए अपना हाथ बढ़ाया कि वह आदमी मेरे बगल में ही खड़ा है। वह खामोश हंसी से कांप रहा था।

“तो?” उसने कहा।

हे भगवान! मैं चिल्लाई। "यह तो अद्भुत है।"

“मुझे विश्वास है कि उम्र मेरी अनंत विविधता को न तो मुरझाएगी और न ही रीति-रिवाज उसे बासी कर देंगे,” उन्होंने कहा, और मैंने उनकी आवाज़ में कलाकार की अपनी रचना के प्रति खुशी और गर्व को पहचाना। “यह सचमुच मेरे जैसा ही है, है ना?”

मुझे यह शपथ लेने के लिए तैयार रहना चाहिए कि यह आपने ही किया था।

“इस प्रतिमा को बनाने का श्रेय ग्रेनोबल के महाशय ऑस्कर मेयुनियर को जाता है, जिन्होंने इसे आकार देने में कुछ दिन बिताए। यह मोम की प्रतिमा है। बाकी व्यवस्था मैंने आज दोपहर बेकर स्ट्रीट की अपनी यात्रा के दौरान स्वयं की।”

"लेकिन क्यों?"

क्योंकि, मेरे प्रिय वॉटसन, मेरे पास कुछ लोगों को यह सोचने का सबसे मजबूत कारण था कि मैं वहाँ मौजूद थी जबकि वास्तव में मैं कहीं और थी।"

"और आपको लगा कि कमरों पर नजर रखी जा रही थी?"

मुझे पता था कि उन पर नजर रखी जा रही है।

"किसके द्वारा?"

मेरे पुराने दुश्मनों, वॉटसन, के हाथों। उस आकर्षक समाज के हाथों, जिसका मुखिया राइचेनबैक जलप्रपात में दफन है। आपको याद रखना चाहिए कि वे जानते थे, और केवल वे ही जानते थे, कि मैं अभी भी जीवित हूँ। उन्हें विश्वास था कि देर-सवेर मैं अपने कमरों में वापस आ जाऊँगा। वे लगातार उन पर नज़र रख रहे थे, और आज सुबह उन्होंने मुझे आते हुए देखा।

"आपको कैसे मालूम?"

क्योंकि खिड़की से बाहर देखते ही मैंने उनके पहरेदार को पहचान लिया। वह एक सीधा-सादा आदमी है, नाम पार्कर, पेशे से गला घोंटने वाला और वीणा बजाने में माहिर। मुझे उससे कोई मतलब नहीं था। लेकिन मुझे उस कहीं ज़्यादा खतरनाक आदमी की बहुत परवाह थी जो उसके पीछे था, मोरियार्टी का जिगरी दोस्त, वही आदमी जिसने चट्टान से पत्थर गिराए थे, लंदन का सबसे शातिर और खतरनाक अपराधी। वही आदमी आज रात मेरे पीछे पड़ा है, वॉटसन, और वही आदमी इस बात से बिल्कुल अनजान है कि हम उसके पीछे पड़े हैं।

मेरे मित्र की योजनाएँ धीरे-धीरे स्पष्ट हो रही थीं। इस सुविधाजनक ठिकाने से, देखने वालों पर नज़र रखी जा रही थी और पीछा करने वालों का पीछा किया जा रहा था। दूर दिख रही वह नुकीली परछाई चारा थी, और हम शिकारी थे। हम अँधेरे में चुपचाप खड़े रहे और अपने सामने से गुज़रते हुए भागते-दौड़ते लोगों को देखते रहे। होम्स चुप और स्थिर था; लेकिन मैं समझ गया था कि वह बहुत सतर्क था, और उसकी आँखें राहगीरों की भीड़ पर टिकी हुई थीं। वह एक उदास

और शोरगुल भरी रात थी, और लंबी गली में हवा ज़ोर से सीटी बजा रही थी। बहुत से लोग इधर-उधर आ-जा रहे थे, उनमें से अधिकांश ने अपने कोट और टाई पहन रखी थी। एक-दो बार मुझे लगा कि मैंने उसी आकृति को पहले भी देखा है, और मैंने विशेष रूप से दो आदमियों को देखा जो गली में कुछ दूरी पर एक घर के दरवाज़े पर हवा से बचने के लिए खड़े थे। मैंने अपने साथी का ध्यान उनकी ओर खींचने की कोशिश की; लेकिन उसने थोड़ी सी अधीरता दिखाई, और गली में घूरता रहा। कई बार वह अपने पैरों को हिलाता रहा और अपनी उंगलियों से दीवार पर तेज़ी से थपथपाता रहा। मुझे स्पष्ट रूप से समझ आ गया था कि वह बेचैन हो रहा है और उसकी योजनाएँ उसकी उम्मीदों के मुताबिक पूरी तरह से सफल नहीं हो रही हैं। अंत में, जैसे-जैसे आधी रात नज़दीक आई और सड़क धीरे-धीरे खाली होने लगी, वह कमरे में बेकाबू होकर इधर-उधर चक्कर लगाने लगा। मैं उससे कुछ कहने ही वाला था कि तभी मेरी नज़र रोशन खिड़की पर पड़ी और मुझे फिर से लगभग उतना ही आश्चर्य हुआ जितना पहले हुआ था। मैंने होम्स का हाथ पकड़ा और ऊपर की ओर इशारा किया।

“परछाई हिल गई!” मैंने चिल्लाकर कहा।

दरअसल, अब सामने का हिस्सा नहीं, बल्कि पीठ हमारी ओर मुड़ी हुई थी।

तीन साल बीतने के बावजूद उनके स्वभाव की कठोरता या अपने से कम बुद्धि वाले लोगों के प्रति उनकी अधीरता में कोई कमी नहीं आई थी।

“ज़रूर, यह हिल गया होगा,” उसने कहा। क्या मैं इतना मूर्ख और नासमझ हूँ, वॉटसन, कि मैं एक साफ़-साफ़ दिखने वाली नकली चीज़ खड़ी कर दूँ और उम्मीद करूँ कि यूरोप के कुछ सबसे तेज़ दिमाग वाले लोग भी इससे धोखा खा जाएँगे? हम इस कमरे में दो घंटे से हैं, और श्रीमती हडसन ने उस आकृति में आठ बार, यानी हर पंद्रह मिनट में एक बार, कुछ न कुछ बदलाव किया है। वह इसे सामने से करती हैं, ताकि उनकी परछाई कभी दिखाई न दे। आह!” उसने तीखी, उत्तेजित साँस ली। धुंधली रोशनी में मैंने देखा कि उसका सिर आगे की ओर झुका हुआ था, उसका पूरा शरीर एकाग्रता से स्थिर था। बाहर सड़क बिल्कुल सुनसान थी। वे दोनों आदमी शायद अभी भी दरवाजे पर दुबके हुए थे, लेकिन अब मैं उन्हें देख नहीं पा रही थी। सब कुछ शांत और अंधेरा था, सिवाय हमारे सामने उस चमकदार पीले पर्दे के, जिसके केंद्र में एक काली आकृति की रूपरेखा बनी हुई थी। फिर से घोर सन्नाटे में मैंने वह पतली, फुसफुसाती हुई आवाज़ सुनी जो

तीव्र दबी हुई उत्तेजना को बयां कर रही थी। एक पल बाद उसने मुझे कमरे के सबसे अंधेरे कोने में खींच लिया, और मैंने अपने होठों पर उसके चेतावनी भरे हाथ का स्पर्श महसूस किया। मुझे जकड़ने वाली उंगलियाँ काँप रही थीं। मैंने अपने दोस्त को इतना भावुक पहले कभी नहीं देखा था, और फिर भी अंधेरी सड़क हमारे सामने अकेली और स्थिर फैली हुई थी।

लेकिन अचानक मुझे उस बात का एहसास हुआ जिसे उसकी तेज़ इंद्रियों ने पहले ही पहचान लिया था। मेरे कानों में एक धीमी, दबी हुई आवाज़ आई, बेकर स्ट्रीट की तरफ से नहीं, बल्कि उसी घर के पीछे से जिसमें हम छिपे हुए थे। एक दरवाज़ा खुला और बंद हो गया। एक पल बाद गलियारे में कदमों की आहट सुनाई दी - ये कदम चुपचाप चलने चाहिए थे, लेकिन खाली घर में इनकी गूंज तेज़ थी। होम्स दीवार से सटकर पीछे झुक गया, और मैंने भी ऐसा ही किया, मेरा हाथ रिवॉल्वर के हैंडल पर था। अंधेरे में झांकते हुए, मैंने एक आदमी की धुंधली आकृति देखी, जो खुले दरवाज़े के कालेपन से भी ज़्यादा काली थी। वह एक पल के लिए खड़ा रहा, और फिर रेंगता हुआ, झुककर, धमकी भरे अंदाज़ में कमरे में घुस गया। वह हमसे तीन गज की दूरी पर था, यह भयावह आकृति, और मैंने उसके हमले का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर लिया था, इससे पहले कि मुझे एहसास होता कि उसे हमारी मौजूदगी का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था। वह हमारे पास से गुज़रा, खिड़की के पास गया, और बहुत धीरे से और बिना आवाज़ किए उसे आधा फुट ऊपर उठा दिया। जैसे ही वह इस खुले स्थान के स्तर तक नीचे उतरा, धूल भरे शीशे से धुंधली न होकर सड़क की रोशनी सीधे उसके चेहरे पर पड़ी। वह आदमी मानो उत्तेजना से बेहाल था। उसकी दोनों आँखें तारों की तरह चमक रही थीं और उसके चेहरे के भाव बेकाबू थे। वह एक बूढ़ा आदमी था, जिसकी पतली, उभरी हुई नाक, ऊँचा, गंजा माथा और घनी भूरी मूंछें थीं। उसने अपने सिर के पीछे एक ओपेरा टोपी टांग रखी थी और उसके खुले ओवरकोट से उसकी शाम की पोशाक की कमीज का सामने का हिस्सा चमक रहा था। उसका चेहरा दुबला-पतला और सांवला था, जिस पर गहरी, कठोर रेखाएँ थीं। उसके हाथ में एक छड़ी जैसी कोई चीज़ थी, लेकिन जैसे ही उसने उसे ज़मीन पर रखा, उसमें से धातु की खनक सुनाई दी। फिर उसने अपने ओवरकोट की जेब से एक भारी वस्तु निकाली और किसी काम में लग गया, जो एक तेज़, तीखी क्लिक की आवाज़ के साथ समाप्त हुआ, मानो कोई स्प्रिंग या बोल्ट अपनी जगह पर गिर गया हो। ज़मीन पर घुटनों के बल बैठे हुए, वह आगे झुका और अपना सारा वज़न और ताकत किसी लीवर पर

लगा दी, जिसके परिणामस्वरूप एक लंबी, घूमती हुई, घिसने जैसी आवाज़ आई, जो एक ज़ोरदार क्लिक के साथ समाप्त हुई। फिर वह सीधा हुआ, और मैंने देखा कि उसके हाथ में एक अजीब सी टेढ़ी-मेढ़ी बट वाली बंदूक थी। उसने उसे ब्रीच से खोला, उसमें कुछ डाला, और ब्रीच-लॉक बंद कर दिया। फिर, नीचे झुककर, उसने बैरल का सिरा खुली खिड़की के किनारे पर टिका दिया, और मैंने उसकी लंबी मूंछें बट के ऊपर लटकती देखीं और उसकी आंखें चमक उठीं जब उसने निशाना साधा। मैंने संतुष्टि की एक हल्की सी आह सुनी जब उसने बट को अपने कंधे पर टिकाया, और उस अद्भुत लक्ष्य को देखा, पीली ज़मीन पर खड़ा काला आदमी, उसकी दूरदृष्टि के अंत में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। एक पल के लिए वह अकड़ा हुआ और गतिहीन था। फिर उसकी उंगली ट्रिगर पर कस गई। एक अजीब सी, तेज़ सीटी बजी और टूटे हुए कांच की एक लंबी, चांदी जैसी झनझनाहट सुनाई दी। उसी क्षण होम्स एक बाघ की तरह निशानेबाज की पीठ पर झपटा और उसे मुंह के बल गिरा दिया। वह पल भर में उठ खड़ा हुआ और पूरी ताकत से होम्स का गला पकड़ लिया, लेकिन मैंने अपने रिवॉल्वर के बट से उसके सिर पर वार किया और वह फिर से ज़मीन पर गिर गया। मैं उस पर टूट पड़ा और जब मैं उसे पकड़े हुए था, तभी मेरे साथी ने सीटी बजाकर ज़ोर से आवाज़ लगाई। फुटपाथ पर भागते कदमों की आहट सुनाई दी और वर्दीधारी दो पुलिसकर्मी, एक सादे कपड़ों में जासूस के साथ, मुख्य द्वार से अंदर कमरे में घुस आए।

“क्या तुम लेस्ट्रेड हो?” होम्स ने कहा।

जी हां, श्रीमान होम्स। मैंने खुद यह नौकरी ली है। आपको लंदन में वापस देखकर अच्छा लगा, महोदय।

“मुझे लगता है कि आपको थोड़ी अनौपचारिक मदद की ज़रूरत है। एक साल में तीन अनसुलझे हत्याकांड बर्दाश्त नहीं किए जा सकते, लेस्ट्रेड। लेकिन आपने मोलेसी रहस्य को सामान्य से कम संसाधनों के साथ सुलझाया - यानी, आपने इसे काफी अच्छे से संभाला।”

हम सब उठ खड़े हुए, हमारा कैदी हांफ रहा था, उसके दोनों ओर एक-एक मजबूत कांस्टेबल खड़ा था। गली में पहले से ही कुछ आवारा लोग जमा होने लगे थे। होम्स खिड़की के पास गए, उसे बंद किया और पर्दे गिरा दिए। लेस्ट्रेड ने दो मोमबत्तियां निकालीं और पुलिसकर्मियों ने अपनी लालटेनें खोल दीं। आखिरकार मुझे अपने कैदी को अच्छी तरह देखने का मौका मिला।

वह एक बेहद शक्तिशाली और फिर भी भयावह चेहरा था जो हमारी ओर मुड़ा हुआ था। ऊपर दार्शनिक जैसी भौंहें और नीचे कामुक जबड़े वाला यह व्यक्ति अच्छाई या बुराई दोनों के लिए अपार क्षमता से संपन्न रहा होगा। लेकिन उसकी क्रूर नीली आँखों को, झुकी हुई, व्यंग्यात्मक पलकों के साथ, या उसकी उग्र, आक्रामक नाक और धमकी भरे, गहरी रेखाओं वाले माथे को देखकर प्रकृति के सबसे स्पष्ट खतरे के संकेतों को समझना असंभव नहीं था। उसने हममें से किसी पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि उसकी निगाहें होम्स के चेहरे पर टिकी हुई थीं, जिसमें घृणा और आश्चर्य दोनों समान रूप से मिश्रित थे। "तू शैतान!" वह लगातार बुदबुदा रहा था। "तू चालाक, चालाक शैतान!"

“आह, कर्नल!” होम्स ने अपने अस्त-व्यस्त कॉलर को ठीक करते हुए कहा। “जैसा कि पुराने नाटक में कहा गया है, “यात्राएँ प्रेमियों के मिलन में समाप्त होती हैं। मुझे नहीं लगता कि राइचेनबैक झरने के ऊपर चट्टान पर लेटे हुए आपने मुझे जो स्नेहपूर्ण स्पर्श दिया था, उसके बाद से मुझे आपसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।”

कर्नल अब भी मेरे दोस्त को किसी सम्मोहन में डूबे व्यक्ति की तरह घूर रहा था। "तू धूर्त, धूर्त शैतान है!" बस इतना ही वह कह सका।

“मैंने अभी तक आपका परिचय नहीं कराया है,” होम्स ने कहा। “महोदय, ये हैं कर्नल सेबेस्टियन मोरान, जो कभी महारानी की भारतीय सेना में थे और हमारे पूर्वी साम्राज्य के अब तक के सबसे कुशल शिकारी हैं। कर्नल जी, मुझे लगता है कि मैं सही कह रहा हूँ कि आपके द्वारा मारे गए बाघों का बेजोड़ संग्रह आज भी बेमिसाल है।”

उस क्रूर बूढ़े व्यक्ति ने कुछ नहीं कहा, लेकिन फिर भी मेरे साथी को घूरता रहा। अपनी क्रूर आँखों और घनी मूंछों के साथ वह सचमुच एक बाघ जैसा लग रहा था।

“मुझे आश्चर्य है कि मेरी इतनी सरल रणनीति इतने अनुभवी शिकारी को कैसे चकमा दे सकती है,” होम्स ने कहा। “यह आपके लिए बहुत जानी-पहचानी होगी। क्या आपने कभी किसी छोटे बच्चे को पेड़ के नीचे नहीं बांधा, उसके ऊपर राइफल लेकर लेटे नहीं और चारा देखकर अपने बाघ के आने का इंतजार नहीं किया? यह खाली घर मेरा पेड़ है और आप मेरे बाघ हैं। आपने शायद कुछ और बंदूकें भी तैयार रखी होंगी, ताकि अगर कई बाघ आ जाएं या आपका निशाना चूक जाए तो आप उनका इस्तेमाल कर सकें। ये,” उन्होंने चारों ओर इशारा करते हुए कहा, “मेरी

दूसरी बंदूकें हैं। समानता बिल्कुल सटीक है।”

कर्नल मोरन क्रोध से दहाड़ते हुए आगे बढ़े, लेकिन कांस्टेबलों ने उन्हें पीछे खींच लिया। उनके चेहरे पर दिख रहा क्रोध भयावह था।

“मैं स्वीकार करता हूँ कि आपने मेरे लिए एक छोटा सा सरप्राइज रखा था,” होम्स ने कहा। “मुझे उम्मीद नहीं थी कि आप खुद इस खाली घर और इस सुविधाजनक सामने वाली खिड़की का इस्तेमाल करेंगे। मैंने सोचा था कि आप सड़क से काम कर रहे होंगे, जहाँ मेरा दोस्त लेस्ट्रेड और उसके साथी आपका इंतज़ार कर रहे होंगे। बस इस एक बात को छोड़कर, सब कुछ मेरी उम्मीद के मुताबिक ही हुआ है।”

कर्नल मोरान ने आधिकारिक जासूस की ओर रुख किया।

उन्होंने कहा, “हो सकता है कि आपको मुझे गिरफ्तार करने का उचित कारण हो या न हो, लेकिन कम से कम इस व्यक्ति के ताने सुनने का कोई कारण नहीं हो सकता। अगर मैं कानून के शिकंजे में हूँ, तो कानूनी तरीके से काम होना चाहिए।”

“ठीक है, यह काफी तर्कसंगत है,” लेस्ट्रेड ने कहा। “क्या आपको जाने से पहले कुछ और कहना है, श्रीमान होम्स?”

होम्स ने फर्श से शक्तिशाली एयर-गन उठाई और उसके तंत्र की जांच कर रहा था।

“एक प्रशंसनीय और अद्वितीय हथियार,” उन्होंने कहा, “बिना आवाज किए और जबरदस्त शक्ति से लैस: मैं वॉन हेर्डर को जानता था, जो एक नेत्रहीन जर्मन मैकेनिक थे, जिन्होंने इसे दिवंगत प्रोफेसर मोरियार्टी के आदेश पर बनाया था। वर्षों से मुझे इसके अस्तित्व की जानकारी थी, हालांकि मुझे इसे चलाने का अवसर कभी नहीं मिला। लेस्ट्रेड, मैं विशेष रूप से आपका ध्यान इस हथियार और इसमें लगने वाली गोलियों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।”

“आप हम पर भरोसा कर सकते हैं, मिस्टर होम्स,” लेस्ट्रेड ने कहा, जैसे ही पूरा दल दरवाजे की ओर बढ़ा। “कुछ और कहना है?”

"सिर्फ यह पूछने के लिए कि आप कौन सा आरोप लगाना चाहते हैं?"

“क्या आरोप है, महोदय? जी हाँ, श्री शर्लक होम्स की हत्या का प्रयास।”

“ऐसा नहीं है, लेस्ट्रेड। मैं इस मामले में बिल्कुल भी पेश नहीं होना चाहता। इस उल्लेखनीय गिरफ्तारी का श्रेय केवल आपको ही जाता है। जी हां, लेस्ट्रेड, मैं आपको बधाई देता हूं! अपनी

चतुराई और दिलेरी के बेजोड़ मेल से आपने उसे पकड़ लिया है।"

"पकड़ लिया! किसे पकड़ा, मिस्टर होम्स?"

"वह आदमी जिसे पूरी सेना व्यर्थ ही खोज रही है – कर्नल सेबेस्टियन मोरान, जिसने पिछले महीने की तीस तारीख को पार्क लेन के 427 नंबर की दूसरी मंजिल की खुली खिड़की से एयर-गन से निकली फैलती हुई गोली से माननीय रोनाल्ड एडायर को गोली मार दी थी। यही आरोप है, लेस्ट्रेड। और अब, वॉटसन, अगर तुम टूटी खिड़की से आती ठंडी हवा बर्दाश्त कर सकते हो, तो मुझे लगता है कि मेरे अध्ययन कक्ष में आधे घंटे सिगार के साथ बिताना तुम्हारे लिए कुछ मनोरंजक हो सकता है।"

माइक्रॉफ्ट होम्स की देखरेख और श्रीमती हडसन की तत्काल देखभाल के कारण हमारे पुराने कमरे में कोई बदलाव नहीं हुआ था। जैसे ही मैं अंदर दाखिल हुआ, मैंने देखा कि वहाँ असामान्य रूप से साफ-सफाई थी, लेकिन पुरानी सभी चीज़ें अपनी जगह पर थीं। वहाँ रसायन का कोना और एसिड से सना हुआ, लकड़ी का बना हुआ मेज था। वहाँ एक शेल्फ पर किताबों और संदर्भ पुस्तकों की एक कतार थी, जिन्हें हमारे कई साथी नागरिक जलाकर रख देते। रेखाचित्र, वायलिन का डिब्बा, और पाइप रखने का रैक - यहाँ तक कि तंबाकू से भरी फ़ारसी चप्पल भी - सब मेरी नज़र में आ गए जब मैंने चारों ओर देखा। कमरे में दो लोग थे - एक, श्रीमती हडसन, जिन्होंने हमारे अंदर आते ही हम दोनों को देखकर मुस्कुरा दिया - और दूसरा, वह अजीब सा पुतला जिसने उस शाम के कारनामों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह मेरे दोस्त का मोम के रंग का पुतला था, जिसे इतनी खूबसूरती से बनाया गया था कि वह हूबहू उसकी प्रतिकृति था। यह एक छोटे से चबूतरे वाली मेज पर रखा था, जिसके चारों ओर होम्स का एक पुराना ड्रेसिंग गाउन इस तरह से लिपटा हुआ था कि सड़क से देखने पर यह बिल्कुल सटीक भ्रम पैदा करता था।

"मुझे उम्मीद है कि आपने सभी सावधानियों का पालन किया होगा, श्रीमती हडसन?" होम्स ने कहा।

"मैं घुटनों के बल उसके पास गया, महोदय, ठीक वैसे ही जैसे आपने मुझे बताया था।"

"बहुत बढ़िया। तुमने इसे बहुत अच्छे से अंजाम दिया। क्या तुमने देखा कि गोली कहाँ गई?"

जी हाँ, महोदय। मुझे खेद है कि इसने आपकी सुंदर प्रतिमा को बिगाड़ दिया है, क्योंकि यह सिर के आर-पार निकल गई और दीवार पर जा टकराई। मैंने इसे कालीन से उठाया। ये रही!

होम्स ने उसे मेरी ओर बढ़ाते हुए कहा, “वॉटसन, जैसा कि आप देख रहे हैं, यह एक सॉफ्ट रिवॉल्वर की गोली है। इसमें तो गजब की चतुराई है, भला कौन सोचेगा कि ऐसी चीज एयर-गन से चलाई जाएगी? ठीक है, श्रीमती हडसन। आपकी सहायता के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। और अब, वॉटसन, कृपया आप अपनी पुरानी सीट पर फिर से बैठ जाइए, क्योंकि मुझे आपसे कुछ बातों पर चर्चा करनी है।”

उसने वह भद्दा फ्रॉककोट उतार फेंका था, और अब वह पुराने होम्स की तरह भूरे रंग का ड्रेसिंग गाउन पहने हुए था, जिसे उसने अपनी प्रतिमा से लिया था।

"बूढ़े शिकारी के हौसले में कोई कमी नहीं आई है, न ही उसकी आंखों की तीक्ष्णता में," उसने हंसते हुए कहा, और साथ ही उसने अपनी प्रतिमा के चकनाचूर माथे का निरीक्षण किया।

सिर के पिछले हिस्से के ठीक बीचोंबीच गोली लगी और सीधे दिमाग में जा लगी। वह भारत का सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज था, और मुझे लगता है कि लंदन में उससे बेहतर निशानेबाज कम ही होंगे। क्या आपने उसका नाम सुना है?

"नहीं, मेरे पास नहीं है।"

वाह वाह, प्रसिद्धि का यही हाल है! लेकिन, अगर मुझे सही याद है, तो आपने प्रोफेसर जेम्स मोरियार्टी का नाम नहीं सुना होगा, जो सदी के महानतम बुद्धिजीवियों में से एक थे। कृपया मुझे मेरी जीवनी सूची शेल्फ से निकाल कर दीजिए।

वह आलस से पन्ने पलटता रहा, कुर्सी पर पीछे की ओर झुकता रहा और अपनी सिगार से धुएं के बड़े-बड़े बादल उड़ाता रहा।

“मेरे पास ‘एम’ अक्षरों का बढ़िया संग्रह है,” उसने कहा। “स्वयं मोरियार्टी ही किसी भी पत्र को गौरवशाली बनाने के लिए काफी है, और यहाँ मॉर्गन है जिसने जहर दिया था, और घृणित स्मृति वाला मेरिड्यू, और मैथ्यूज, जिसने चैरिंग क्रॉस के प्रतीक्षालय में मेरा बायां दांत तोड़ दिया था, और अंत में, यहाँ हमारा आज रात का दोस्त है।”

उन्होंने मुझे किताब सौंप दी, और मैंने उसे पढ़ा:

मोरन, सेबेस्टियन, कर्नल। बेरोजगार। पूर्व में प्रथम बैंगलोर पायनियर्स के सदस्य। जन्म लंदन, 1840। सर ऑगस्टस मोरन, सी.बी., के पुत्र, जो कभी फारस में ब्रिटिश मंत्री थे। शिक्षा ईटन

और ऑक्सफोर्ड से प्राप्त की। जोवाकी अभियान, अफगान अभियान, चरासियाब (संदेश), शेरपुर और काबुल में सेवा की। 'हेवी गेम ऑफ द वेस्टर्न हिमालय' (1881) और 'थ्री मंथ्स इन द जंगल' (1884) के लेखक। पता: कॉन्डिट स्ट्रीट। क्लब: द एंग्लो-इंडियन, द टैंकरविले, द बैगेटेल कार्ड क्लब।

हाशिये पर होम्स की सटीक लिखावट में लिखा था:

लंदन का दूसरा सबसे खतरनाक आदमी।

मैंने किताब लौटाते हुए कहा, "यह तो आश्चर्यजनक है। इस व्यक्ति का पूरा जीवन एक सम्मानित सैनिक का रहा है।"

“यह सच है,” होम्स ने उत्तर दिया। एक हद तक तो उसने अच्छा ही किया। वह हमेशा से ही दृढ़ निश्चयी व्यक्ति था, और भारत में आज भी यह कहानी सुनाई जाती है कि कैसे वह एक घायल आदमखोर बाघ के पीछे नाले में रेंगकर गया था। वॉटसन, कुछ पेड़ एक निश्चित ऊँचाई तक बढ़ते हैं, और फिर अचानक उनमें कोई विचित्रता आ जाती है। मनुष्यों में भी ऐसा अक्सर देखने को मिलता है। मेरा एक सिद्धांत है कि व्यक्ति अपने विकास में अपने पूर्वजों की पूरी श्रृंखला को दर्शाता है, और अच्छाई या बुराई की ओर यह अचानक मोड़ उसके वंश में आए किसी प्रबल प्रभाव का प्रतीक है। वह व्यक्ति मानो अपने परिवार के इतिहास का सार बन जाता है।”

"यह तो निश्चित रूप से काफी काल्पनिक है।"

“खैर, मैं इस पर ज़ोर नहीं देता। कारण जो भी हो, कर्नल मोरन का पतन शुरू हो गया था। बिना किसी खुले घोटाले के भी, उन्होंने भारत में हालात इतने बिगाड़ दिए कि उन्हें संभालना मुश्किल हो गया। वे सेवानिवृत्त हुए, लंदन आए और फिर से बदनाम हो गए। इसी समय प्रोफेसर मोरियार्टी ने उनसे संपर्क किया, जिनके वे कुछ समय के लिए स्टाफ प्रमुख थे। मोरियार्टी ने उन्हें उदारतापूर्वक धन दिया और उन्हें केवल एक या दो बहुत ही उच्च कोटि के कामों में लगाया, जो कोई सामान्य अपराधी नहीं कर सकता था। आपको शायद 1887 में लॉडर की श्रीमती स्टीवर्ट की मृत्यु याद हो। नहीं? खैर, मुझे यकीन है कि मोरन इसके पीछे थे, लेकिन कुछ भी साबित नहीं हो सका। कर्नल को इतनी चतुराई से छिपाया गया था कि मोरियार्टी गिरोह के भंग होने पर भी

हम उन्हें दोषी नहीं ठहरा सके; आपको याद है उस दिन, जब मैं आपके कमरे में आपसे मिलने आया था, तो मैंने हवाई तोपों के डर से शटर कैसे बंद कर दिए थे? निस्संदेह आपने मुझे सनकी समझा होगा। मुझे ठीक-ठीक पता था कि मैं क्या कर रहा था, क्योंकि मुझे पता था कि... इस असाधारण बंदूक के अस्तित्व के बारे में मुझे पता था, और यह भी कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों में से एक इसे चला रहा होगा। जब हम स्विट्जरलैंड में थे, तो वह मोरियार्टी के साथ हमारे पीछे आया, और निस्संदेह वही था जिसने मुझे राइचेनबैक की चट्टान पर वे पांच मिनट दिए थे।

“आप सोच सकते हैं कि फ्रांस में अपने प्रवास के दौरान मैंने अखबारों को बड़े ध्यान से पढ़ा, ताकि उसे पकड़ने का कोई मौका मिल सके। जब तक वह लंदन में आज़ाद था, मेरी ज़िंदगी सचमुच जीने लायक नहीं थी। दिन-रात उसका साया मुझ पर मंडराता रहता, और देर-सवेर उसका मौका तो आना ही था। मैं क्या कर सकता था? मैं उसे देखते ही गोली नहीं मार सकता था, वरना मैं खुद कटघरे में होता। मजिस्ट्रेट से अपील करने का कोई फायदा नहीं था। वे केवल एक निराधार संदेह के आधार पर हस्तक्षेप नहीं कर सकते। इसलिए मैं कुछ नहीं कर सकता था। लेकिन मैं आपराधिक समाचार देखता रहा, यह जानते हुए कि देर-सवेर मैं उसे पकड़ ही लूँगा। फिर रोनाल्ड एडायर की मौत हो गई। आखिरकार मेरा मौका आ ही गया। जो मैं जानता था, क्या यह निश्चित नहीं था कि कर्नल मोरन ने ही यह किया था? उसने उस लड़के के साथ ताश खेला था, क्लब से उसके घर तक उसका पीछा किया था, और खुली खिड़की से उसे गोली मार दी थी। इसमें कोई शक नहीं था। केवल गोलियां ही उसके सिर को फांसी पर लटकाने के लिए काफी थीं। मैं तुरंत वहाँ पहुँचा। मुझे देख लिया गया... मैं जानता था कि संतरी कर्नल का ध्यान मेरी मौजूदगी की ओर आकर्षित करेगा। वह मेरे अचानक लौटने को अपने अपराध से जोड़कर देखेगा और बुरी तरह घबरा जाएगा। मुझे पूरा यकीन था कि वह मुझे तुरंत रास्ते से हटाने की कोशिश करेगा और इसके लिए अपना जानलेवा हथियार निकाल लेगा। मैंने खिड़की पर उसके लिए एक सटीक निशान छोड़ दिया और पुलिस को आगाह कर दिया कि उनकी ज़रूरत पड़ सकती है - वैसे, वॉटसन, तुमने उस दरवाजे पर पुलिस की मौजूदगी को बिल्कुल सटीक रूप से पहचान लिया था - मैंने निगरानी के लिए एक उपयुक्त जगह चुन ली, सपने में भी नहीं सोचा था कि वह हमले के लिए उसी जगह को चुनेगा। अब, मेरे प्यारे वॉटसन, क्या मुझे कुछ और समझाना बाकी

है?

“जी हां,” मैंने कहा। “आपने यह स्पष्ट नहीं किया है कि माननीय रोनाल्ड एडायर की हत्या के पीछे कर्नल मोरन का मकसद क्या था?”

“आह! मेरे प्रिय वॉटसन, अब हम अनुमानों के उस क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, जहाँ सबसे तार्किक दिमाग भी गलती कर सकता है। प्रत्येक व्यक्ति वर्तमान साक्ष्यों के आधार पर अपनी परिकल्पना बना सकता है, और आपकी परिकल्पना के सही होने की संभावना उतनी ही है जितनी मेरी।”

"तो आपने एक बना लिया है?"

मुझे लगता है कि तथ्यों को समझाना मुश्किल नहीं है। सबूतों से यह बात सामने आई कि कर्नल मोरन और युवा एडायर ने मिलकर काफी बड़ी रकम जीती थी। अब, मोरन ने निस्संदेह धोखाधड़ी की थी - इस बात की मुझे लंबे समय से जानकारी है। मेरा मानना है कि हत्या वाले दिन एडायर को पता चल गया था कि मोरन धोखा दे रहा है। संभवतः उसने उससे अकेले में बात की होगी और उसे धमकी दी होगी कि अगर वह स्वेच्छा से क्लब की सदस्यता नहीं छोड़ता और दोबारा ताश नहीं खेलने का वादा नहीं करता, तो वह उसका पर्दाफाश कर देगा। यह असंभव है कि एडायर जैसा नौजवान अपने से इतने बड़े और जाने-माने व्यक्ति का पर्दाफाश करके तुरंत इतना बड़ा घोटाला खड़ा कर दे। शायद उसने वही किया जो मैं कह रहा हूँ। क्लबों से निकाले जाने का मतलब मोरन के लिए बर्बादी होता, जो अपनी अवैध रूप से कमाई गई ताश की रकम से ही अपना जीवन यापन करता था। इसलिए उसने एडायर की हत्या कर दी, जो उस समय यह हिसाब लगाने की कोशिश कर रहा था कि उसे खुद कितना पैसा लौटाना चाहिए, क्योंकि वह अपने साथी की धोखाधड़ी से लाभ नहीं उठा सकता था। उसने दरवाजा बंद कर दिया ताकि महिलाएं उसे अचानक देख न लें और यह जानने की जिद न करें कि वह इन नामों और सिक्कों का क्या कर रहा है। क्या यह बात सुलझ जाएगी?

मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपने सत्य का पता लगा लिया है।

“मुकदमे में इसकी पुष्टि या खंडन हो जाएगा। इस बीच, चाहे कुछ भी हो जाए, कर्नल मोरन अब हमें परेशान नहीं करेंगे। वॉन हेर्डर की मशहूर एयर-गन स्कॉटलैंड यार्ड संग्रहालय की शोभा बढ़ाएगी, और एक बार फिर श्री शेरलॉक होम्स लंदन के जटिल जीवन में मौजूद दिलचस्प छोटी-छोटी समस्याओं की जांच करने में अपना जीवन समर्पित करने के लिए स्वतंत्र होंगे।”

***** समाप्त *****

sjeet